

左隣



豹翁

不港不安。汝其爲侍食西瓜矣。念去。阿瑜遂以縹緇西瓜。置亭中石案上。持刀破之。分爲四。又以叉叉匙爬去其仁。然後與廬眉進尹。又疾持叉叉匙爬去他瓜仁。寬碟中。依廬眉進尹畢食。乃飼茶焉。而低頭嘿嘿。若深含情者。廬眉道尹囚使在獄。其食之矣。我今食於汝口。汝其食之矣。阿瑜曰。咪。以手抵拒。不食。廬眉道尹則執其手。必使食之。曰。西瓜甜也。又有汁也。汁最適於汝也。汝其食之矣。阿瑜曰。咪。然亦含笑接而食之。視瓢已盡。乃棄其皮石案上。復欲持叉叉匙爬去其他瓜仁以獻之。乃見廬眉道尹拾我食餘西瓜皮實口大吮。噴噴道其香滑而加甜。阿瑜曰。咪。揚手奪之。廬眉道尹力執其手不釋。故於噴而戰戰。頃之。阿瑜曰。咪。揚手何夕也。吾乃願爲牛郎也。阿瑜曰。咪。揮手爲欲奔去。廬眉道尹呼止之。因此。而以嚼目目西瓜。而握槩以盪。明鑊下。見廬阿瑜貌美。明眸皓齒。視阿瑜不羞。至於慕。廬眉道尹良不能抑其欲。曰。阿瑜指中。但有黃金戒指。指一因宮曰。瑜姐。爲探備固不能炫爲裝飾。然黃金戒指。則其廉矣。緣玉戒指。指乃佳。且汝肌膚白。緣白相映。則尤宜耳。阿瑜知其欲資於我。以爲進狎先市也。而不取。此而不取。雖有良時。因爲剋制而言曰。我何人也。乃能如汝爲大富人耶。幸敢望得緣玉戒指者。雖然。荷得御駕。而非甚美者。不似笑於人。故不如自指也。且黃金戒指。亦豈易得也。於是廬眉道尹立爲探囊出軟幣五百金。以換其形如簪。持其一端。以置於阿瑜手中。使半握之。吃吃而嘗曰。瑜姐。以五百金市一緣玉戒指。雖不甚美。亦不損矣。汝其受之矣。阿瑜不肯受。且張其掌爲拒。曰。咪。再請亦不肯受。然不申其不受之由。但爲微笑。廬眉道尹則起把之。強爲納於其袖。祇服小袋中。因而怒手爲撫摩者。阿瑜回顧船廳中。黑漆漆無人。慮有窺我者。力。力拉廬眉道尹之手而盡告之。約使廿日供我爲歡。縹紗兩後五所房舍者。且爲緣絲。而而言曰。汝不許我。我死亦不甘心。許我。我則奉汝爲皇帝。阿瑜聞之大喜。猶憐憐爲羞。淫彰其媚美。頃之。他頗而言曰。他日不可如此也。且汝宜閱之。不則不可。可。廬眉道尹許諾。阿瑜乃檢西瓜刀及銀巾之屬而去。至船廳。握槩使燈大開。不港不安。汝其爲侍食西瓜矣。念去。阿瑜遂以縹緇西瓜。置亭中石案上。持刀破之。分爲四。又以叉叉匙爬去其仁。然後與廬眉進尹。又疾持叉叉匙爬去他瓜仁。寬碟中。依廬眉進尹畢食。乃飼茶焉。而低頭嘿嘿。若深含情者。廬眉道尹囚使在獄。其食之矣。我今食於汝口。汝其食之矣。阿瑜曰。咪。以手抵拒。不食。廬眉道尹則執其手。必使食之。曰。西瓜甜也。又有汁也。汁最適於汝也。汝其食之矣。阿瑜曰。咪。然亦含笑接而食之。視瓢已盡。乃棄其皮石案上。復欲持叉叉匙爬去其他瓜仁以獻之。乃見廬眉道尹拾我食餘西瓜皮實口大吮。噴噴道其香滑而加甜。阿瑜曰。咪。揚手奪之。廬眉道尹力執其手不釋。故於噴而戰戰。頃之。阿瑜曰。咪。揚手何夕也。吾乃願爲牛郎也。阿瑜曰。咪。揮手爲欲奔去。廬眉道尹呼止之。因此。而以嚼目目西瓜。而握槩以盪。明鑊下。見廬阿瑜貌美。明眸皓齒。視阿瑜不羞。至於慕。廬眉道尹良不能抑其欲。曰。阿瑜指中。但有黃金戒指。指一因宮曰。瑜姐。爲探備固不能炫爲裝飾。然黃金戒指。則其廉矣。緣玉戒指。指乃佳。且汝肌膚白。緣白相映。則尤宜耳。阿瑜知其欲資於我。以爲進狎先市也。而不取。此而不取。雖有良時。因爲剋制而言曰。我何人也。乃能如汝爲大富人耶。幸敢望得緣玉戒指者。雖然。荷得御駕。而非甚美者。不似笑於人。故不如自指也。且黃金戒指。亦豈易得也。於是廬眉道尹立爲探囊出軟幣五百金。以換其形如簪。持其一端。以置於阿瑜手中。使半握之。吃吃而嘗曰。瑜姐。以五百金市一緣玉戒指。雖不甚美。亦不損矣。汝其受之矣。阿瑜不肯受。且張其掌爲拒。曰。咪。再請亦不肯受。然不申其不受之由。但爲微笑。廬眉道尹則起把之。強爲納於其袖。祇服小袋中。因而怒手爲撫摩者。阿瑜回顧船廳中。黑漆漆無人。慮有窺我者。力。力拉廬眉道尹之手而盡告之。約使廿日供我爲歡。縹紗兩後五所房舍者。且爲緣絲。而而言曰。汝不許我。我死亦不甘心。許我。我則奉汝爲皇帝。阿瑜聞之大喜。猶憐憐爲羞。淫彰其媚美。頃之。他頗而言曰。他日不可如此也。且汝宜閱之。不則不可。可。廬眉道尹許諾。阿瑜乃檢西瓜刀及銀巾之屬而去。至船廳。握槩使燈大開。

利 弊

之概。但告喪者之言如此。而已目所見者又如此。故牽連並證之。以示世之博學。口雖不言。心自有內訟。以其禍患神在。將水沈咒。以愚習者。即甚惡之。笑云。至於自貶傷其舌也。

(廿)
(三)
沉雄著

與語；藉故辭別歸。蔣及門。諸故交。力叩蔣之兄於相候。及相見。爭起問因。遂聚於蘇兄館中。市氣振振。遂脫脫。力叩蔣之兄於相候。及相見。爭起問因。一事。蘇兄見狀自詎。亦不可得。蓋蘇兄兄宋歸之前。有曾自寓其事者。歸

而且在宣戰之前
的道理。却不足以
使人可畏如比。這

本國的軍事設備有所懷疑起來。這樣不信
是消滅了土氣不少。後來的結局。不能延
擱。不戰而亡。一半也是國民都已喪胆。
難事的人又說。假使當時蘇俄的轟炸機。
投下的毒氣和毒彈。投下在日本政治工業的
。廣州市內。幾斷不見之者。而蘇乞兒
之三字。金槍夾人口也。然梅大招風。名
高萬說。雖爲俗談。而有至理存焉。名
於是高基萊龍里中。有拳師白沈雲丹者
。嫉時人頌其能。思顯其盤以滅時人口。
。

較現在大上許多。

機我們便可以看兩國正式捲入戰爭漩渦中
口答應賠償。這樣實在是最穩便的大幸。而
不止不過炸死炸傷（歐美國兵十多名，和八
人）僅一千三百人。受有損失的歐美各船
口答應賠償。這樣實在是最穩便的大幸。而
不止不過炸死炸傷（歐美國兵十多名，和八
人）僅一千三百人。受有損失的歐美各船

新

時適有名阿照者全在市內、被指爲摸
、并石鑿路阿照帶上警局、由當值郭
辦詢問一番、幸以証據不足、銷案放入
云、

摸 竊 被 捕

華民署偵探相欽、于昨廿四日下午七時
、翌晨度經以諸法實相觀察、觀照數
若爲宗、便脫苦厄爲用、大衆觀照爲數
相、次入脫文、全部心經不外顯說密教
、經文爲顯咒、咒語爲密經、兩者相融
、經咒不二、以神觀目在三字、即觀攝
施觀所觀、不能離之智、照所觀之境、
惟觀法甚多、約爲三法、一佛法、二衆

哲何榮、于廿四日下午七
行人賂宋打荷包、竊去一

梁順李福關私寨

男子梁順、李福，在油蔴地柏街十一號樓下開設私寨。今早由案司提審。判每人罰款二百五十元。或入監三個月云。

○**九**

○**腎虛**

腰必
神必

亞社

多麼的困苦！
口講指劃，
整天不休止。
口渴了，喉乾了，

荷蒙 光顧 無

以藝術為主體

英明藝術攝影院

新近的創作

富麗相一打三十五元

更有現代相一種

最合社會上脫脂之需

大馬路中道十五號

聘請經紀

茲有某洋行欲聘富有經驗糖菓經紀一位金從優合意者請投函本港信箱五十六號述明履歷為荷

有名

省政府

派員來港接洽借款

港商已在進行中

但條件尙未提出

廣州當局、爲維持金融、及建築廣汕鐵路、嗣以事虛空虛、乃於日前派員來港、（現寄寓某大酒店）與其中國銀行家磋商、擬定自來銀借款一千一百萬元、

發廣商說

痔非痛過不知難

余素患痔、屢醫罔效、過因創敷市上精蝕性之藥料、而增劇、幸延痔科專科先生治愈

盧覺非

之

日開創

卷

返商

賜惠

已

碧土庇再行南來

尚未得港政府之批准
 待英京理藩部之指示
 滬粵民用航線、經上海中航公司開闢、
 轉瞬數月、惟香港方面未得香港政府
 之批准、未能以香港為航空站、茲據半
 官消息、近日中航公司代表張士虎曾
 再向英京遞書文請發照、并呈出「一半底

新亞洋服廣告
 啟者本號新到大幫雪冷及新式織口無藥
 不備特將名額裁列工作優美所製男女中

止咳
 包止
 中環
 街萬

被告入
印藩院之指示
方謂定稅
之請求、尚未批覆、

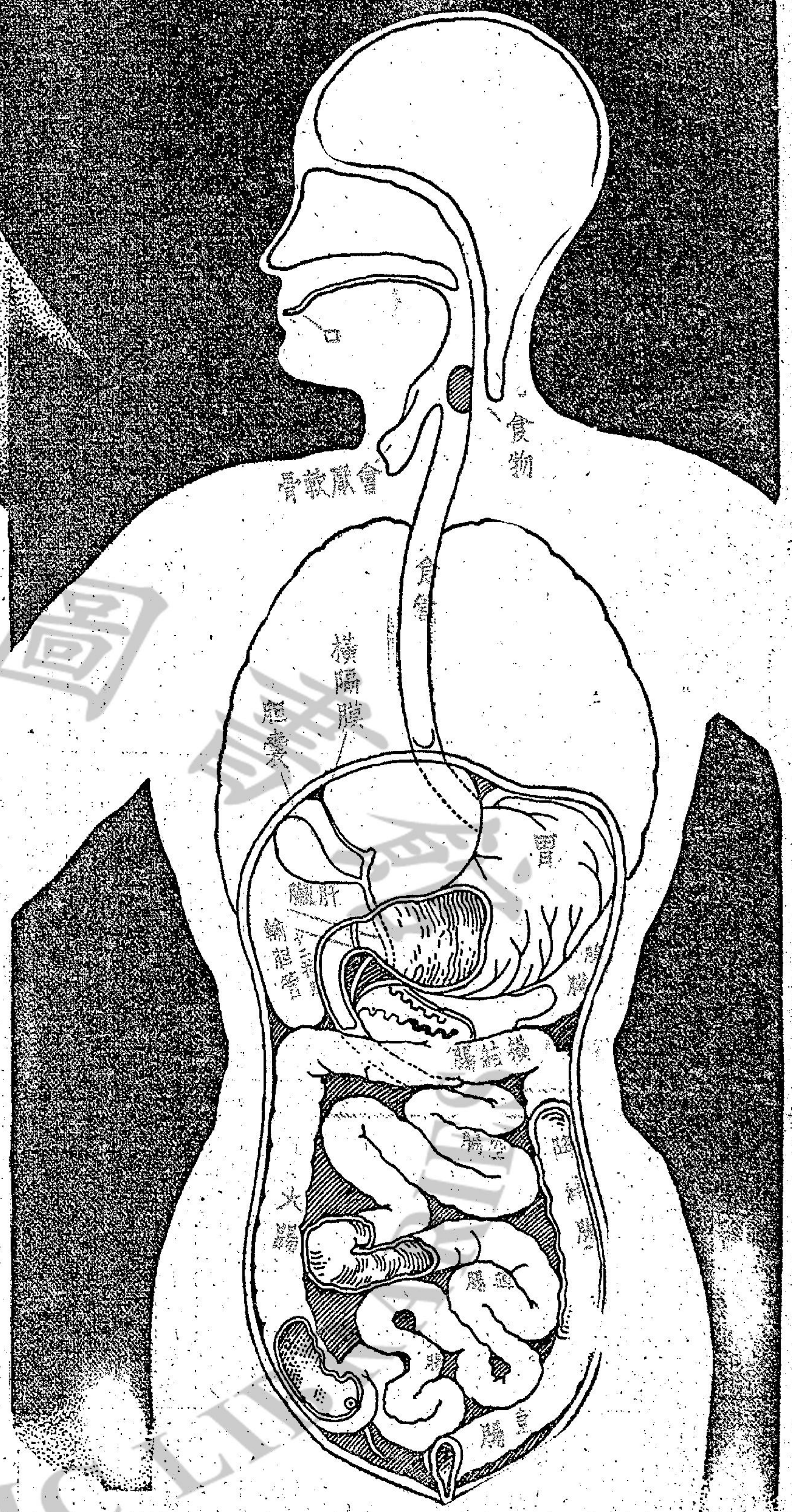
如蒙賜顧無任歡迎地址德輔道中二百三十二號電話二三三三一

203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466	467	468	469	470	471	472	473	474	475	476	477	478	479	480	481	482	483	484	485	486	487	488	489	490	491	492	493	494	495	496	497	498	499	500	501	502	503	504	505	506	507	508	509	510	511	512	513	514	515	516	517	518	519	520	521	522	523	524	525	526	527	528	529	530	531	532	533	534	535	536	537	538	539	540	541	542	543	544	545	546	547	548	549	550	551	552	553	554	555	556	557	558	559	560	561	562	563	564	565	566	567	568	569	570	571	572	573	574	575	576	577	578	579	580	581	582	583	584	585	586	587	588	589	590	591	592	593	594	595	596	597	598	599	600	601	602	603	604	605	606	607	608	609	610	611	612	613	614	615	616	617	618	619	620	621	622	623	624	625	626	627	628	629	630	631	632	633	634	635	636	637	638	639	640	641	642	643	644	645	646	647	648	649	650	651	652	653	654	655	656
-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----

203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466	467	468	469	470	471	472	473	474	475	476	477	478	479	480	481	482	483	484	485	486	487	488	489	490	491	492	493	494	495	496	497	498	499	500	501	502	503	504	505	506	507	508	509	510	511	512	513	514	515	516	517	518	519	520	521	522	523	524	525	526	527	528	529	530	531	532	533	534	535	536	537	538	539	540	541	542	543	544	545	546	547	548	549	550	551	552	553	554	555	556	557	558	559	560	561	562	563	564	565	566	567	568	569	570	571	572	573	574	575	576	577	578	579	580	581	582	583	584	585	586	587	588	589	590	591	592	593	594	595	596	597	598	599	600	601	602	603	604	605	606	607	608	609	610	611	612	613	614	615	616	617	618	619	620	621	622	623	624	625	626	627	628	629	630	631	632	633	634	635	636	637	638	639	640	641	642	643	644	645	646	647	648	649	650	651	652	653	654	655	656
-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----

胃氣特効藥

消化器圖



胃為人身最重要之臟腑，如機器之發動機關，苟有疾病或消化不良，則影響全體各部，甚大其甚者，則不思飲食，而至各臟腑不能受其營養，而身日弱，其甚者，或發生氣痛、胃痛、心痛等，每每因是而至瀕亡之可慨乎。故善攝生者，必先調理胃，為本。苟食慾減退，則身自壯，疾病無由而生。調理胃部，則以胃氣靈為上。

胃病種種：
胃炎、胃弱、胃擴張、胃痙攣、胃潰瘍、胃出血、胃癌、胃下垂、胃腸反、胃腸氣痛、胃腸膨滿、胃腸鬱悶、胃腸貧食、胃腸噯氣、胃腸嘔吐、胃腸酸、胃腸白苔、胃腸或便結、胃氣靈是胃氣病特效藥，關於腸胃病及心氣痛症，任何劇烈或新起或舊疾，一經服下，立見奇功。

TRADE MARK

WAHIREN

STOMACHIC POWDER

胃氣靈

專治心胃肝氣痛症

省港 越滬 二天藥行製